

3312. HARIV. 11145. R. 2, 73, 14. RAGH. 6, 78. नार्हति तातो महेतान्यारि-
तायां धुरि दम्यं नियोजयितुम् VIKR. 85, 8.

2. दम्य (von 2. दम) adj. im Hause befindlich, häuslich, heimisch: घ-
ग्नि RV. 8, 23, 24. डुवस्यत् दम्यं ज्ञातवेदसम् 3, 2, 8. प्रुणोतु नो दम्यैभिरनी-
कैः प्रुणोत्वग्निर्द्व्यैरज्ञैः 54, 1. रतां च नो दम्यैभिरनीकैः 2, 1, 15. सक्तु-
न्नियं दम्यं भागमेतं गृहमेधीयं मरुतो जुषधम् 7, 56, 14.

दम्यसारथि (1. दम्य + सा०) m. Lenker der zu Zähmenden, Beiw.
Buddha's VJUTP. 1.

दय्, दयते Nir. 4, 17. Dhātup. 14, 9. दयो चक्रे P. 3, 1, 37. Vop. 8, 85. 114.
mit dem gen. P. 2, 3, 52. δαίματα Z. f. vgl. Spr. 7, 313; vgl. 3. द्वा. 1) thei-
len, ertheilen, zutheilen (= दान Dhātup.): यो भोजनं च दयसे च वर्धनम्
RV. 2, 13, 6. यत्तारो ये मध्वानां जनानामूर्वान्दयत्तं गोनाम् 7, 16, 7. 10, 147,
5. तस्मै चिकित्वात्रयिं दयस्व 1, 68, 6 (3). Wohl hierher: सर्पिषो (gen.)
दयते P. 2, 3, 52, Sch. — 2) als seinen Theil haben, besitzen (= आदान
Dhātup.): अर्हन्निदं दयसे विद्यमभम् RV. 2, 33, 10. एको अज्ञुर्यो दयते वसूनि
6, 30, 1. 7, 21, 7. 84, 4. (वाजान्) सनादमृक्ता दयते 8, 2, 31. 9, 2, 6. 1, 10, 6.
5, 49, 3. न्वेन पूर्व दयमानाः स्याम Nir. 4, 17. 9, 43; vgl. VS. 28, 16. — 3)
zertheilen so v. a. zerstören, verzehren (= हिंसा Dhātup.): दुर्वर्तुर्मिमो
दयते वनानि RV. 6, 7, 5. अग्निर्वृत्राणि दयते वृत्राणि 10, 80, 2. — 4) Antheil
nehmen an, Mitgefühl haben mit (vgl. δαίεται ἡτόρ, = रक्षण [vgl. 5. द्वा]
Dhātup.); mit dem acc.: एको देवत्रा दयसे हि मर्तान् RV. 7, 23, 5. त्वां मृ-
त्युर्दयताम् AV. 8, 1, 5. 2, 8. Çat. Br. 14, 8, 2, 4. BHATT. 5, 106. न गजा न ग-
जा दयिता (= इष्टाः) दयिताः (= रक्षिताः) 10, 9. दयमान ohne obj. Daçak.
in BENF. CHR. 187, 2. 193, 7. दयस्व मातः TRIK. 1, 1, 1. mit dem gen.: तव दय-
त्ताम् Daçak. in BENF. CHR. 193, 10. स्वेषामप्यदयिष्ठं न BHATT. 15, 63. 2, 33.
caus. act. dass.: येषां स एव भगवान्दयते BHAG. P. 2, 7, 42. दयित geliebt, lieb,
theuer (von Personen und Sachen) AK. 3, 2, 3. MBh. 1, 8030. 3, 1762. 1791.
2122. 2290. 2681. 4, 243. R. 1, 1, 2, 6. 36, 9. 61, 17. 2, 24, 4. 50, 32. subst. m. der
Geliebte, Gatte (GATĀDH. im ÇKDR.); f. die Geliebte, Gattin (HALĀ. im
ÇKDR.) H. 513. fg. m. ÇĀK. Ch. 38, 7. f. RAGH. 2, 3. MEGH. 4. KATHĀS. 4,
12. 9, 87. Dhūrtas. 96. 5. Çiç. 9, 70. — 5) bereuen: नू मर्ता दयते सन्निप्यन्वो
विल्लव उरुगायाय दाशन्त् nie bereut es der nach einem Gut strebende
Sterbliche, wenn er u. s. w. RV. 7, 100, 1. — Die Bed. गति im Dhātup.
lässt sich nicht belegen und auch nirgends unterbringen. — intens. द-
न्दयते und दादयते Vop. 20, 8. 9.

— अत्र Jmd um seinen Theil befriedigen, Jmd mit Etwas (acc.) von
Etwas (abl.) abfertigen: तस्मादेतमव दये AV. 16, 7, 11. तदेनास्तद्वदयते
यश्नते Çat. Br. 1, 7, 2, 6. वैरं तदेवानवदयते PAÑKAV. Br. 16, 1.

— निरव dass.: इहैव सन्निरवदये तदेतत् TS. 3, 3, 8, 2. रतांस्येव तत्स्वे-
न भागधेयेन यज्ञान्निरवदयते AIT. Br. 2, 7. PAÑKAV. Br. 9, 8. अयम्बैकै रुद्रं
निरवदयत TBr. 1, 6, 8, 1. 3, 10, 7.

— वि 1) zertheilen, zertrennen, zerstören: स्थिरा चिद्वना दयते वि ज-
न्मैः RV. 4, 7, 10. विद्वद्दसुर्दयमानो वि शत्रून् 3, 34, 1. विश्वा अज्ञुर्य दयसे वि
मायाः 6, 22, 9. — 2) vertheilen, zutheilen: य एक इद्विदयते वसु मर्ताय दा-
शुषे RV. 1, 84, 7. 2, 3, 11. त्वं हि धीभिर्दयसे वि वाजान् 7, 23, 4. 37, 2. 9, 90,
2. वि सेनाभिर्दयमानो वि राधसा austheilend mit Geschossen und mit
Gnaden d. h. den Freunden das Eine, den Feinden das Andere zuthei-
lend 10, 23, 1 (SV. v. 1).

दयो (von दय्) f. Antheilnahme, Mitleid AK. 1, 1, 3, 18. H. 369. Çat. Br.
14, 8, 2, 4. R. 1, 3, 21. Suçr. 1, 21, 19. दयार्द्रभाव RAGH. 2, 41. दयाया भगिनी
मूर्तिः BHĀG. P. 6, 7, 30. भूयसी हि दयार्द्रुनि Arç. besitzt viel Mitleid MBh.
5, 2739. दया भूतेषु Mitleid mit den Wesen BHAG. 16, 2. MBh. 3, 348. त-
त्कुरुष्व — दयां मयि 2736. 2516. BHART. 2, 70. PAÑKĀT. I, 30. HIT. I, 55.
सर्वत्र (v. l. भूतेषु, भूतानां) दयां कुर्वति 10. शरीरे न दयां काचिदात्मनः स-
मवैतत R. 4, 19, 2. येषां दयार्थम् 3, 39, 32. HARIV. 8486. करोतु वा अदिदयि-
तो दयां नो Vop. 3, 143. mit dem obj. compon.: भूतं MBh. 14, 2841. HIT.
I, 140. अदधदयया (adj.) दृष्ट्या BHĀG. P. 3, 15, 9. दयाकर Mitleid ühend,
von Çiva Çiv. Personificirt HARIV. 14035. eine Tochter Daksha's, Ge-
mahlbin Dharmas und Mutter Abhaja's, BHĀG. P. 4, 1, 49. 50. — Nach
ÇANDAR. im ÇKDR. auch दय m.; nach Wilson दय auch adj. mitleidig.
Vgl. अदय, निर्दय, सदय.

दयाकूर्च (द० + कूर्च० 1.) m. ein Buddha H. 234.

दयाराम (दया + राम) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 122,
a, 14. वाचस्पति COLEBR. Misc. Ess. II, 46.

दयालु (von दय् oder दया) adj. P. 3, 2, 158. Vop. 7, 32. 33. mitleidig AK.
3, 1, 15. H. 368. MB. 1, 1606. BHART. 2, 39. RAGH. 2, 3. 52. 10, 20. PAÑKĀT.
III, 30. BHĀG. P. 3, 2, 23. mit dem loc. RAGH. 2, 57. Davon दयालुत्व n. Mit-
leid: कृपणेषु KĀM. Niris. 3, 34.

दयावत् (wie eben) adj. dass. MBh. 3, 15776. HIT. 19, 2, v. l. BHĀG. P.
8, 21, 12. mit dem loc.: सर्वभूतेषु MBh. 2, 473. R. 2, 44, 5. mit dem gen.
MBh. 13, 5635.

दयावीर (द० + वीर) m. ein Held im Mitleid, ein Muster von Mit-
leid: दयावीरः शिविर्नृपः Verz. d. Oxf. H. No. 370.

दयाशंकर (द० + शं०) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. B. H. No. 131.
दयितु (von दय्) adj. mitleidig (?) LĀTJ. 7, 10, 13.

दय् adj. von देवय्, देवयति P. 1, 1, 58, V Art. 2, Sch.

1. दर (दृ, दृ), दणाति Dhātup. 31, 23; ददार्, ददरतुस् und दद्रतुस् P.
7, 4, 12. Vop. 16, 5. (वि) ददरिथ P. 6, 4, 126, Sch.; ved. दर 2. sg., दत् 3.
sg., दर्षत्, दर्षसि, दर्षि; दती; med. ved. (आ) दर्षति; (परि) दर्षिष्ठः 1)
bersten, zerfahren, zerfallen: वज्रस्य यत्ते निकृतस्य प्रुष्मात्स्वनाच्चिदिन्द्र
परमो ददार् RV. 6, 27, 4. हृन्पूर्वं अर्थे भियसार्परो दत् 5. दर्षन्तु पूर्वा अर्परो
नु दर्षत् 10, 27, 7. जिह्वा ते शतधा दीर्यत् (prec.) HARIV. 15177. — 2) ber-
sten machen, sprengen, zerreißen, zerpflücken: ते मर्मजत दद्वंसो
अद्रिम् RV. 4, 1, 14. तं ब्रह्मान्नेण सौमित्रिर्ददाराद्रिचयोपमम् MBh.
3, 16426. दित्येन्द्रम् ददार् करजैत्राविरकां करकृष्या BHĀG. P. 1, 3,
18. आदिदैत्यं तं दंष्ट्रयाद्रिमिव वज्रधरो ददार् 2, 7, 1. 7, 8, 29. इरो दणा-
ति zur Erkl. von इन्द्र Nir. 10, 8. अदरदयान् ved. (klass. अदारीत्) viell.
erschliessen P. 3, 1, 59, Sch. WEST. zieht dieses zu 2. दर. — pass. दी-
र्यति, ep. auch act. (दीर्यति Vop. in Dhātup. 26, 139). 1) sich spalten,
bersten, aufbrechen: यदि कलशो दीर्यते Çat. Br. 4, 5, 10, 7. PAÑKĀV. Br.
9, 6. दीर्यते किं नु गिरयः MBh. 1, 5374. दीर्यमाणा इवाद्रयः R. 2, 23, 35. प-
र्वतस्येव दीर्यतः 1, 67, 18. दीर्यतीव वसुंधरा MBh. 6, 677. वरुणालयः —
दीर्यमाणाः समस्ततः 3, 8872. शिरः — दीर्यताम् 1, 5990. व्रणो व्रणो ऽपि दी-
र्यते die geheilte Wunde bricht wieder auf Suçr. 1, 88, 18. हृदयं दीर्यत
इं शोकात् MBh. 3, 2867. हृदयं (मनो) दीर्यतीव च 1, 2062. 3, 266. 13.
7784. R. GORR. 2, 81, 2. दीर्या = विदारित MED. n. 16. ÇĀÑKH. Çr. 13, 12,